ikB

4 तितली

दूर देश से आई तितली,
चंचल पंख हिलाती।
फूल–फूल पर, कली–कली पर,
इतराती, इठलाती।

कितने सुंदर पंख हैं इसके,
जगमग रंग–रंगीले।
लाल, बैंगनी, हरे बसंती,
काले, नीले, पीले।

बच्चों ने जब देखी इसकी,
खुशियाँ, खेल निराले।
छोड़–छाड़ कर खेल–खिलौने,
दौड़ पड़े मतवाले।

बच्चों के भी पर होते तो,
साथ–साथ उड़ जाते।
और हवा में उड़ते–उड़ते,
दूर देश हो आते।

अभ्यास

1- vkb,] ‘kCnk d vFk tku&

- चंचल – चपल, नटखट
- इतराना – नखरे दिखाना
- इठलाना – गर्व से झूमना
- निराले – अनोखे
- मतवाले – मस्त

2- dfork l&

(क) तितली कहाँ से आई?

____

(ख) तितली के पंख कैसे होते हैं?

____

(ग) तितली कहाँ इठलाती है?

____

(घ) बच्चे क्या देखकर दौड़ पड़े?

____

3- vkidh ckr&

(क) क्या आपने तितलियाँ देखी हैं? यदि हाँ? तो कहाँ?

(ख) यदि आपके पंख होते तो आप क्या करते?

4- l|u] ckyu vkj fy[k&

चंचल	____________	बसंती	____________
खुशियाँ	____________	पंख	____________
तितलियाँ	____________	रंगीले	____________

5- feyku dj&

फूल–फूल पर	पंख है इसके
जगमग	मतवाले
कितने सुंदर	कली–कली पर
दौड़ पड़े	रंग–रंगीले

6- Hkk"kk dh ckr&

शब्द बनाएँ–

पंख   जामुन

_____पंजा_____

चंचल   दाम

____

अंगूर   कबूतर

____

कंचन   धान

____

f'k{kd d fy, – लयबद्ध तरीके से कविता का वाचन करें तथा बच्चों को साथ–साथ बोलने को कहें। साथ ही बच्चों को तितली, भौंरे, मधुमक्खी आदि के बारे में अपनी बात रखने का अवसर देते हुए फूलों के साथ इनके संबंध के बारे में बताएँ।